[This question paper contains 3 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **7684** **I**

Unique Paper Code : 2102201201

Name of the Paper : Introduction to Indian Philosophy

Name of the Course : **Philosophy DSC**

Semester : II

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 90***

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही उपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

(b) Attempt any **five** questions.
किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

(c) **All** questions carry equal marks.
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

P.T.O.

(d) Answers may be written in Hindi or English but the same medium should be followed throughout the paper.
इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिये, लेकिन सभी का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Discuss any five defining traits of Indian philosophy.
भारतीय दर्शन के किन्हीं पांच विशेषताओं पर चर्चा कीजिए।

2. Write an essay on Sankhya theory of Causation (Satkaryavada).
सांख्य दर्शन के कारणता के सिद्धांत (सत्कार्यवाद) पर निबंध लिखें।

3. Define the Buddhist No-Soul theory (Anātma-vāda)
बौद्ध दर्शन के अनुसार अनात्मवाद के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।

4. Analyse the nature of Brahman according to Śaṇkarāchārya.
शंकराचार्य के अनुसार ब्रहा के स्वरूप की व्याख्या दीजिए।

5. Analyse and explain the role of Perception as Pramāṇa with reference to Nyāya Darśan.
न्याय दर्शन के अनुसार प्रत्यक्ष प्रमाण का विश्लेषण और व्याख्या दीजिए।

6. Define Inference as a source of knowledge according to Nyāya Darśana.
न्याय दर्शन के अनुसार अनुमान प्रमाण को परिभाषित कीजिए।

7. Discuss the theory of Syādvāda according to Jain Darśan.
जैन दर्शन के स्याद्वाद के सिद्वान्त पर चर्चा कीजिए।

***